हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 24 मार्च 2025

11 लेबर कोड निरस्त करवाने व न्यूनतम

12 शहीद भगतसिंह ने असेंबली में बम फोड़ ...

GD GOENKA PUBLIC SCHOOL
Bhiwani
NURTURING EVERY CHILD'S UNIQUE DREAMS AND POTENTIAL
Address: 5th Km Milestone, Rohtak-Bhiwani Road, Bhiwani
Contact: 9912082000
9912084000
Your Child Can Be Anything. Let it be.

VARDHMAN JEWELLERS
Gold Diamond Silver
वर्धमान ज्वैलर्स
सोने व चांदी के आधुनिक आभूषणों का विश्वसनीय प्रतिष्ठान
ब्रांच : नज़दीक के एम स्कूल, हांसी गेट 9215657444
शोरूम : घंटाघर बाजार 9215656444

सचिन जैन
संचालक

खबर संक्षेप

शिविर में 21 लोगों का स्वास्थ्य जांचा

भिवानी। डाबर कॉलोनी स्थित विश्व मानव रूहानी केन्द्र शाखा भिवानी द्वारा मनत अस्पताल से प्रशासनिक अधिकारी डॉ. सुनीता दुहन की देखरेख में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। शिविर में 21 लोगों के बीपी, शुगर व अन्य बीमारियों की जांच की गई। संस्था के सदस्य रोहतास कुमार, आनंद, राजपाल सांगवान, रामकिशन, उलफ्त सिंह, नरेन्द्र सिंह व कमलेश आदि ने बताया कि शिविर में भाग लेने वाले सदस्यों को डॉ. सुनीता दुहन ने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया और नशे से दूर रहने का संदेश दिया।

170 मरीजों की आंखें और सामान्य रोग जांचे

चरखी दादर। शहीदी दिवस पर माडल दादरी जिला बनाओ संगठन ने गांव महराणा व टिकाण में मेडिकल कैंप लगाए। अध्यक्षता नरेश सनसनवाल व संजय ने की। मुख्य अतिथि कमल शर्मा व विरेंद्र सिंह उपस्थित हुए। मेडिकल कैंप में आईक्यू व आईकेयर की टीम ने 170 मरीजों के आंखें व सामान्य रोग जांचे दवा वितरण हुआ। शिविर में डॉक्टर स्वाति, संतोष, कर्ण व सहयोगियों ने सेवा दी। संगठन के युवा विंग अध्यक्ष अधिवक्ता अनिल साहू ने कहा कि आज का दिवस देश के लिए ऐतिहासिक महत्व रखता है, अपने जीवन को राष्ट्र के लिए कुर्बान करने वाले भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू देश के प्रत्येक युवा के जीवन का आदर्श होने चाहिए, यही संगठन का आह्वान है।

सरस्वती स्कूल के विद्यार्थियों को रक्त जांचा

भिवानी। विद्यार्थी के रक्त के सैंपल लेते। फोटो : हरिभूमि

भिवानी। कादमा स्थित सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में डा. लाल पैथ लैब द्वारा रक्त जांच कैंप लगाया। इस कैंप के माध्यम से रक्त से संबंधित अनेक बीमारियों की जांच की गई। इस अभियान में विद्यालय से संबद्ध सभी विद्यार्थियों एवं स्टाफ ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। लैब टेक्नीशियन रविन्द्र व देवेन्द्र ने बताया कि अभियान को 'भारत का विश्वास' नाम दिया है। इस रक्त जांच कैंप के सफल आयोजन में विद्यालय के निदेशक मुन्नालाल शर्मा, सचिव महेश शर्मा, प्राचार्या निशा शर्मा का विशेष उत्साह व निर्वाह रहा है। निदेशक मुन्नालाल शर्मा ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों की स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं एवं परेशानियों से मुक्ति पाना है।

उत्तम नगर, डॉबर कॉलोनी, आटो मार्केट के आसपास रहने वाले लोगों को होगा फायदा

उत्तमनगर में बनेगा ₹ 5 करोड़ की लागत से महाराजा नीमपाल सामुदायिक केंद्र, पार्क की रखी आधारशिला

भिवानी। पार्षद सुभाष की मांग के बाद सामुदायिक केंद्र की घोषणा करते हुए और नारियल फोड़कर पार्क का निर्माण कार्य शुरू करवाते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

रेलवे फाटक पार आबादी के लोगों के लिए राहत भरी खबर। अब जल्द ही उक्त इलाके के लोगों को सामुदायिकी केंद्र मिलने वाला है। इन क्षेत्रों के लोगों सुविधाएं देने के मकसद से उत्तमनगर में पांच करोड़ रुपये की लागत से महाराजा नीमपाल सिंह सामुदायिकी केंद्र बनवाया जाएगा। जिसका खाका तैयार करवाया जा रहा है। वहीं रविवार को उत्तमनगर के लोगों के लिए नगरपरिषद पार्क का तैयार करवाने जा रही है। जिसका शिलान्यास विधायक घनश्याम सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने नारियल फोड़कर उक्त कार्य का शुभारंभ करवाया। उक्त इलाके की इन मांगों को लेकर पार्षद सुभाष तंवर पिछले सात साल से लगा हुआ था, जो कि आज विधायक सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह के सहयोग से उनका सपना पूरा हुआ। इस दौरान वहां पर मौजूद लोगों का मुंह मीठा करवाया।

रविवार दोपहर विधायक घनश्याम सर्राफ व नगरपरिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह उत्तमनगर पहुंचे। वहां पर उन्होंने करीब एक एकड़ भूमि पर बनने वाले महाराजा नीमपाल सिंह पार्क का नारियल फोड़कर शिलान्यास किया। शिलान्यास होते ही लोगों की तालियों से पांडाल गूंज उठा। उक्त पार्क के निर्माण पर करीब 18 लाख रुपये की लागत आएगी। इस पार्क के बनने से उतम नगर, डॉबर कॉलोनी, आटो मार्केट के आसपास रहने वाले लोगों को अच्छा खासा फायदा होगा। क्योंकि इन इलाकों में सुबह व शाम के वक्त घुमने के लिए कोई पार्क आदि की सुविधा नहीं थी। बुजुर्ग लोग सड़कों के फुटपाथों पर ही सुबह व शाम के वक्त टहलते थे। अब पार्क का निर्माण होने से इन उक्त कॉलोनियों के लोगों को जबरदस्त फायदा होगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर ठाकुर विक्रम सिंह, उपप्रधान प्रतिनिधि संदीप तंवर, सुदामा सिंह, महाबीर सिंह, पार्षद संदीप यादव,बार एसोसिएशन प्रधान संदीप, ओमबीर सिंह,रणधीर, सुरेंद्र, भरत परमार,बॉक्सर भीम भटटी, राजकुमार तंवर,विनोद शर्मा, शिवकुमार आदि मौजूद थे।

पार्षद सुभाष ने मंच से की मांग

जिस वक्त महाराजा नीमपाल सिंह पार्क का शिलान्यास कार्यक्रम था। उसी वक्त इस वार्ड के नप पार्षद सुभाष तंवर ने मंच से विधायक सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह से क्षेत्र में एक सामुदायिकी केंद्र की मांग कर डाली। ताकि इलाके के लोग सामुदायिकी केंद्र में सार्वजनिक व सामूहिक कार्यक्रमों का आयोजन कर सके। जिस पर विधायक ने माइक संभाला और उक्त इलाके में सामुदायिकी केंद्र के निर्माण की घोषणा कर दी। जिस पर करीब पांच करोड़ रुपये की लागत आएगी। घोषणा के बाद पांडाल तालियों की गडगड़ाहट से गूंज उठा। विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि उक्त सामुदायिकी केंद्र महाराजा नीमपाल सिंह के नाम से होगा । क्योंकि महाराजा नीमपाल सिंह ने उक्त शहर को करीब 1326 ईसवी के आसपास बसाया था।

पार्कों का होगा निर्माण : प्रताप

नगरपरिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने कहा कि अभी शहर में करीब 106 पार्क थे। आज उत्तमनगर में महाराजा नीमपाल सिंह पार्क का शिलान्यास करवाया है,जिसके बाद अब शहर में पार्कों की संख्या 107 हो गई है। उक्त इलाके में महाराजा नीमपाल सिंह पार्क बनने के बाद लोगों को अच्छा खासा फायदा होगा। लोग सुबह व शाम के वक्त आराम से घुम सकेंगे। उन्होंने बताया कि अब तक शहर के 45 पार्कों का जीर्णोद्धार किया जा चुका है। बाकी बचे पार्कों का जीर्णोद्धार प्रक्रिया जारी है। जल्द ही इन पार्कों का भी जीर्णोद्धार का कार्य शुरू करवा दिया जाएगा। उसके बाद शहर का कोई भी पार्क जर्जर हाल में नहीं रहेगा। शहर के सभी पार्कों में सभी प्रकार की सुविधाएं महैया करवाई जाएंगी। विकास कार्यों को लेकर प्रशासन और नप गंभीर है।

मेहनत का मिला फल

सुभाष तंवर ने बताया कि उत्तमनगर इलाके में पार्क व सामुदायिकी केंद्र बनवाए जाने को लेकर पिछले सात साल से प्रयासरत थे। विधायक घनश्याम सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह के सहयोग से उनको आज मेहनत का फल मिल गया। महाराजा नीमपाल सिंह पार्क बनने के बाद आसपास इलाके के सभी लोगों को अच्छा खासा फायदा होगा। साथ ही महाराजा नीमपाल सिंह के नाम से सामुदायिकी केंद्र बनने के बाद लोग सामूहिक कार्य कर सकेंगे। उनको विवाह समारोह व अन्य कार्य सामुदायिकी केंद्र में सम्मपन हो जाएंगे। क्षेत्र के लोगों की यह सबसे पुरानी मांग थी। वह आज पूरी हो गई। सामुदायिक केंद्र के निर्माण से आसपास के इलाकों के लोगों को फायद होगा। सामुदायिक केंद्र की मांग इलाके के लोगों द्वारा लंबे से की जा रही थी।

शिक्षा विभाग की समग्र शिक्षा परियोजना की कार्यप्रणाली का जवाब नहीं

खेल सामान की आई मंजूरी, खातों में नहीं पहुंची राशि, 31 तक कैसे होगा खर्च बजट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

शिक्षा विभाग की समग्र शिक्षा परियोजना की कार्यप्रणाली का भी जवाब नहीं। उक्त संस्था को वित्तिय वर्ष बीतने के वक्त ही स्कूलों में खेल के सामान खरीदने की याद आई। उक्त संस्था ने प्रदेश के सभी डीपीसी कोर्डिनेटरों को पत्र भेजकर सभी स्कूलों में खेल के सामान खरीदने के लिए 14 करोड़ 78 लाख रुपये का बजट जारी कर दिया। हालांकि अभी केवल सामान खरीदने का बजट ही जारी किया है,लेकिन अभी तक उक्त अधिकारियों के खाते में बजट की राशि जारी नहीं की है।

अगर राशि जारी कर भी दी जाए तो महज पांच दिनों में किस तरह से स्पोर्टस का सामान की खरीद हो पाएगी। अगर पैसा खर्च नहीं हो पाया तो उक्त पैसे का बजट

लेप्स हो जाएगा। जिसका बजट अगले वित्तिया वर्ष में ही मिल पाएगा। समग्र शिक्षा योजना के तहत प्रदेश के 19 मार्च को प्रदेश के सभी डीपीसी को पत्र भेजकर प्रदेश के 14219 स्कूलों में खेल का सामान खरीदने के लिए 14 करोड़ 78 लाख 95 हजार रुपये की राशि का बजट जारी किया है। बजट जारी करने से संबंधित पत्र सभी स्कूलों में भेजे गए है,लेकिन अभी तक उनके खाते में खेल का सामान खरीदने के लिए फुटी कौड़ी तक नहीं पहुंची है। ऐसे में किस तरह से स्कूल मुखिया बच्चों के लिए स्कूलों में खेल का सामान किस तरह से खरीद पाएंगे। बताते है कि विभाग ने उक्त राशि को 31 मार्च तक खर्चनी होगी। अगर इस दौरान कोई स्कूल संचालक राशि नहीं खर्ची तो वह पैसा लेप्स हो जाएगा।

उल्लेखनीय है कि समग्र शिक्षा परियोजना के तहत प्राइमरी स्कूलों के लिए पांच हजार रुपये, मिडल स्कूलों के लिए 8 हजार रुपये तथा सेंकेडरी व सीनियर सेकेंडरी स्कूलों के लिए 25 हजार-25 हजार रुपये का बजट भेजा गया है।

कमेटी करेगी स्पोर्टस सामान पर खर्च

भेजी गई राशि का बजट अकेले स्कूल मुखिया नहीं खरीद पाएंगे। इसके लिए एक टीम का गठन किया गया है। एसएमसी कमेटी का चेयरमैन इस कमेटी का चेयरपर्सन होगा। इनके अलावा स्कूल मुखिया सदस्य सचिव, सरपंच व पार्षद सदस्य, एक एसएमसी खेल से संबंध रखने वाला, एईओ तथा फिजिकल एजुकेशन के शिक्षक को शामिल किया जाए। उक्त लोगों की सहमति के बाद ही स्पोर्टस का सामान खरीदा जाएगा।

शिक्षा बोर्ड ने 27 को होने वाली पुनः परीक्षा के केन्द्र में किया बदलाव

भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के सचिव डॉ. मुनीश नागपाल ने जारी एक प्रेस वक्तव्य में बताया कि जिला-झज्जर के परीक्षा केन्द्र राजकीय उच्च विद्यालय, गंगटान पर 28 फरवरी को संचालित हुई सैकेण्डरी(शैक्षिक) गणित विषय की परीक्षा को रद्द कर दिया गया था। इस रद्द हुई परीक्षा की पुनः परीक्षा 27 मार्च 2025 को दोपहर 12.30 से 3.30 बजे तक परीक्षा केन्द्र वैदिक.क.व.मा.वि., झज्जर-15(बी-1) पर आयोजित करवाई जानी थी। बोर्ड सचिव ने बताया कि अब यह परीक्षा प्रशासनिक कारणों के चलते परीक्षा केन्द्र राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, झज्जर-4 (बी-1) पर उक्त निर्धारित तिथि एवं समय पर संचालित करवाई जाएगी।

डॉ. मुनीष नागपाल ने बताया कि इस संदर्भ में सम्बन्धित विद्यालय मुखिया को ई-मेल व दूरभाष के माध्यम से भी सूचित कर दिया गया है। परीक्षा केन्द्र राजकीय उच्च विद्यालय, गंगटान के परीक्षार्थी परीक्षा आरंभ होने से 30 मिनट पहले परीक्षा केन्द्र राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, झज्जर-4 (बी-1) पर पहुँचना सुनिश्चित करें। इसके पश्चात परीक्षार्थियों का केन्द्र में प्रवेश वर्जित रहेगा। परीक्षार्थियों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उनके आस-पास कोई आपत्तिजनक सामग्री तो नहीं है। उन्होंने बताया कि जिन परीक्षार्थियों की परीक्षाएं रद्द हुई हैं, ऐसे परीक्षार्थी शिक्षा बोर्ड द्वारा पूर्व में जारी किए गए अनुक्रमांक अनुसार ही निर्धारित तिथि व समय पर परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना सुनिश्चित करें।

बापोडा में शिविर का आयोजन, 70 युवाओं ने रक्तदान कर कमाया पुण्य

भिवानी। हरियाणा कांग्रेस उद्योग सैल के चेयरमैन अशोक बुवानीवाला ने कहा है कि विज्ञान में भले ही कितनी भी तरक्की क्यों न कर ली हो लेकिन विज्ञान आज भी खून का विकल्प नहीं ढूंढ पाया है। खून का विकल्प खून ही है। हमें रक्तदान करना चाहिए क्योंकि रक्तदान करने से हम किसी व्यक्ति का जीवन बचाने का काम करते हैं। वह आज समीपी ग्राम दिनोद में बाबा रूपनाथ जनकल्याण समिति दिनोद के तत्वावधान में आयोजित दूसरे रक्तदान शिविर के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। रक्तदान शिविर रैड क्रास के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महंत राजेंदर नाथ ने की। अशोक बुवानीवाला ने कहा कि रक्तदान करने से कोई व्यक्ति बीमार नहीं होता बल्कि इससे बीमारियां दूर होती हैं। उन्होंने कहा कि जो रक्तदान किया जाता है कुछ ही देर में शरीर उसे फिर से बना लेता है। उन्होंने बताया कि विज्ञान यह मानता है कि रक्तदान करने से दिल की सेहत में सुधार होता है और दिल की बीमारियों और स्ट्रोक के खतरे कम हो जाते हैं। हरियाणा कांग्रेस उद्योग सैल के चेयरमैन अशोक बुवानीवाला ने आईपीएस सीनियर सैकंडरी स्कूल बापोडा ग्राम में रक्तदाताओं को सम्मानित भी किया। शिविर में 70 यूनिट रक्त इक्ट्ठा किया गया।

खोखराकोट

रोहतक शहर में खोखराकोट, एक प्राचीन स्थल है, जिसका उल्लेख महाभारत में मिलता है और यह यौधेय गणराज्य की राजधानी थी। इसकी खुदाई में 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व से 11वीं शताब्दी ईस्वी तक की वस्तुएं मिली हैं, जो इसकी प्राचीनता को दर्शाती हैं। खोखराकोट से यौधेय शासनकाल के सिक्के और मुहरें मिली हैं, जो प्राचीन भारत में सिक्के ढालने की प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हैं। रोहतक को पहले रोहतासगढ़ कहा जाता था और यह नाम दो पुराने स्थलों के खंडहर स्थलों (खोखराकोट) पर लागू होता है।

लोक साहित्य की धरोहर हैं पं. रामसरूप सिटावली

सांगी

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणवी का लोक साहित्य समृद्ध रहा है, जिसकी परम्परा बड़ी वैभवशाली है। इसमें हमेशा से सांग और भजन विशेषतः उल्लेखनीय रहे हैं। प्राचीन काल से ही भजनियों के द्वारा समाज के बीच जाकर भजनों से जागृति पैदा करने का रिवाज रहा है। जबकि हरियाणा की प्रसिद्द नाट्य विधा सांग के माध्यम से

साँगियों ने जन-मानस के मनोरंजन के साथ-साथ ऐतिहासिक और पौराणिक कथानकों से उन्हें अवगत करने का प्रशंसनीय कार्य किया है।

हरियाणा के सुप्रसिद्ध सांगियों की इस गौरवशाली परम्परा में ही एक नाम है पंडित रामसरूप भारद्वाज सिटावली। पंडित रामसरूप भारद्वाज का जन्म हरियाणा के सोनीपत जिले के गाँव सिटावली में 16 मार्च 1916 को हुआ। जनमानस में रामसरूप सिटावाली के नाम से जाने-जाने कवि पंडित रामसरूप का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम पंडित बदलूराम और माता का नाम भागोदेवी था। उन्होंने सोनीपत जिले के गाँव जुआं के राजकीय विद्यालय से आठवीं तक की पढ़ाई पूरी की। युवावस्था में इनका विवाह छोटी देवी के साथ संपन्न हुआ। इनके तीन लड़के पंडित दयानंद शर्मा, पंडित राम रतन शर्मा, पंडित राजेंद्र शर्मा व दो लड़कियां राममूर्ति देवी और लक्ष्मी देवी हुई। पंडित रामसरूप बचपन से ही पढ़ने में बहुत होशियार थे। उनका नाम कक्षा के मेधावी छात्रों में लिया जाता था। उन्होंने बचपन से अपने मन के भावों को कविता के रूप में अभिव्यक्त करना शुरू कर दिया था। उनकी आवाज भी मधुर और श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करने वाली थी। उन्हीं दिनों को याद करते हुए एक बार उनके सहपाठी रहे मास्टर नवल सिंह और गामड़ी निवासी टीका राम ने बताया था कि एक बार सुप्रसिद्ध कवि पंडित

लख्मीचंद सांग करने के लिए गांव सिटावली आए हुए थे। उनके सांगों को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते थे, एक दिन पंडित रामसरूप भी वहां चले गए। पंडित लख्मीचंद का सांग देखकर वे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने पंडित लख्मीचंद को गुरु धारण कर लिया। जब पंडित लख्मीचंद के कहने पर रामसरूप ने गुरु वंदना करके गाना शुरू किया तो वे बहुत प्रभावित हुए और उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। पंडित रामसरूप के सांग बहुत ही लोकप्रिय रहे। वे अपने समय के बेजोड़ सांगी रहे और उनकी प्रस्तुति पर लोग झूम उठते थे। पंडित रामसरूप ने अनेक सांगों का मंचन किया। वे अपने सांगों में नई-नई बात सुनाते थे जिससे प्रभावित होकर स्वयं उनके गुरुदेव पंडित लख्मीचंद ने उनका नाम 'बिघनी' रख दिया था। उन्होंने इस संबंध में अपनी एक रचना में उल्लेख किया है...

श्री लख्मीचंद गुरु ने धरया बिघनी नाम छांट कै
रामसरूप सिटावली आलां मारै तरले पाट कै।

उन्होंने लगभग दस सालों तक जनमानस के लिए सांग और भजन की प्रस्तुति मंचों से दी। लेकिन दुर्भाग्यवश उनका गला खराब हो गया और उन्होंने सांग करना छोड़ दिया। आजीविका चलाने के लिए पंडित रामसरूप पंडित चिरंजी लाल वकील जो कि पूर्व स्पीकर रहे कुलदीप शर्मा के पिता थे, उनके यहां मुंशी के पद पर काम करते थे। उसी दौरान एक दिन पंडित रामसरूप कुछ लिख रहे थे कि इतने में बाहर से चिरंजीलाल आ गए तो उन्होंने वह कागज अपनी जेब में डाल लिया। इस पर चिरंजीलाल ने कहा कि कविराज! मुझे भी दिखाओ, ऐसा क्या लिख रहे थे जो आप मेरे आते ही छुपा रहे हो तो पंडित रामसरूप ने मना किया। पर बार-बार आग्रह करने पर वह कागज उन्हें दे दिया जिस पर लिखा था....

जुलम करै या गवर्नमेंट दे दे पास वकीलां नै
सच पूछो तो भारत देश का कर दिया नास वकीलां नै

यह पढ़कर चिरंजीलाल ने उनकी बहुत सराहना की और बोले आपने बिल्कुल सच्चाई लिखी है। इसके बाद वर्षों तक उनका लेखन जारी रहा। स्वास्थ्य खराब होने के चलते 10 दिसंबर 1976 को पंडित रामसरूप का निधन हो गया। पंडित रामसरूप ने अनेक भजन ,उपदेशक, ब्रह्म ज्ञान के छंद, सोरठे व सांगों की रचना की है। उनके द्वारा जुलाई 1968 में प्रकाशित 'सांगीत कृष्ण का भात' कृति के पृष्ठ आवरण के अनुसार उन्होंने कृष्ण का भात, नल का जन्म, मंदा रानी का दिसोटा (भाग एक), नल गजमोतिन, नरसी का भगत, सती मनोरमा (भाग एक और दो), बजरंग दे (भाग एक और दो), नर सुल्तान निहाल दे (भाग एक,दो और तीन), निहालदे के परवाने, निहालदे सती, सती शीलादे (भाग एक और दो), कृष्ण रुक्मणी सांगों की रचना की। इसके अतिरिक्त हीर रांझा, बीजा सोरठ सांगों की भी लिखें हैं। पंडित रामरतन शर्मा जो पंडित रामसरूप के बेटे हैं और उनकी रचनाओं को समाज की अमानत मानकर सहेजे हुए हैं, के अनुसार उनके द्वारा बनाए गए सांग चंदा भाई, रघुवीर कौर और धर्मपाल शांता कुमारी सांग आज उपलब्ध नहीं हैं।

गौरतलब है कि पिता के संस्कारों के ही प्रभाव से रामरतन शर्मा भी हरियाणवी भजन और रागनियों की रचना करते हैं और एक कवि के रूप में प्रतिष्ठित हैं। पंडित रामसरूप के लिखे सांग और भजन हरियाणा के विभिन्न लोक गायकों द्वारा गाए गये हैं तथा उनकी रचनाएं यूट्यूब पर भी उपलब्ध हैं। रामरतन शर्मा और संस्कृतिकर्मी पंकज शर्मा से प्राप्त जानकारी के अनुसार पंडित रामसरूप के शिष्यों में पंडित लक्ष्मीनारायण, जंगली दास, जगन लाल (नैना), फूल सिंह (खेड़ा), चंदगीराम (पिनाना), रामकिशन रोलद (पिनाना), धन्ना सिंह (सनखेड़ा),शेर सिंह (जुआं), सूरजभान (सिटावली) ने नाम शामिल उल्लेखनीय हैं। जबकि पंडित रामस्वरूप के सांगों से प्रभावित होकर कंवर सिंह (निलोठी), रामचरण (गुमड़), रामकिशन (पिनाना), मेहर सिंह (पुरखास) और जिले सिंह (बरोना) भी उनके शिष्य बने।

पंडित लख्मीचंद का सांग देखकर वे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने पंडित लख्मीचंद को अपना गुरु धारण कर लिया। जब पंडित लख्मीचंद के कहने पर रामसरूप ने गुरु वंदना करके गाना शुरू किया तो वे बहुत प्रभावित हुए और उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। पंडित रामसरूप के सांग बहुत ही लोकप्रिय रहे। वे अपने समय के बेजोड़ सांगी रहे और उनकी प्रस्तुति पर लोग झूम उठते थे। पंडित रामसरूप ने अनेक सांगों का मंचन किया। वे अपने सांगों में नई-नई बात सुनाते थे जिससे प्रभावित होकर स्वयं उनके गुरुदेव पंडित लख्मीचंद ने उनका नाम 'बिघनी' रख दिया था।

पंडित रामसरूप के रचना संसार में जहां विविधता के दर्शन होते हैं वहीं बेहतरीन काव्य सौष्ठव भी दृष्टिगोचर होता है। जनसामान्य की भाषा को अपने काव्य में मजबूती से प्रयोग करके वे लोगों के मन तक पहुंचते हैं। उनके काव्य में छंद के प्रति उनकी निष्ठा स्पष्ट दिखती है तो अलंकार स्वतः प्रष्फुटित होते प्रतीत होते हैं। उस पर भी आध्यात्म, देशप्रेम, लोकाचार, जन संवेदना और कर्तव्यबोध उनकी रचनाओं की विशेषता रहे हैं। पंडित रामसरूप अपनी पारिवारिक स्थिति और गुरु से प्राप्त सन्देश का उल्लेख करते हुए लिखते हैं...

लख्मीचन्द गुरू जी जो कहगे वाहे होगी बात सही
इब रामसरूप सिटावली आला टोहे जा कोय चीज नई
भाई पांच मरे मेरे आगै माता बी स्वर्ग सिधार गई
क्यां की खात्तर के करना न्यूं सोच हरि की शरण लई

एक रचना में उन्होंने परमात्मा को चेताते हुए लिखा है ...

सबके मन की जाणण आला नाम तेरा यू अन्तरयामी
भगत तेरे की हीणी होज्या वा भी सै तेरी बदनामी

पंडित रामसरूप के जन्म के समय देश गुलामी से त्रस्त था। उस समय की परिस्थियों का प्रभाव भी उनकी लेखनी पर पड़ा है। भगत सिंह की बहादुरी पर वे कहते हैं ...

भगत सिंह नै जब गोला मारया असेम्बली थर्राई
भाज कई कुर्सी नीचै बडगे कदे दे ज्या सकल दिखाई।

देश की आजादी पर उनकी खुशी उनकी रचना के माध्यम से देखिए...

शुभ घड़ी आज आग्यी म्हारी दया करी भगवान नै
गोरे डरते भाज गए छोड़ कै हिन्दुस्तान नै

एक रचना में सामाजिक एकता का सन्देश देते हुए उनकी पंक्तियाँ प्रभावित करती हैं ...

न्यारे-न्यारे पाटण मै ना होवै थारा गुजारा
घणी सींख मिलकै आपस मै सरकादें पत्थर भारा

भारतीय समाज की मान्यता लोकाचार देखें ....

गुरु लख्मीचंद धर्म क्षत्री का रामस्वरूप के याद करवा गऊ ब्राह्मण साधु की खातर जान चली जा तै के परवाशीश कटा कै, गऊ छुटा कै, हो ज्या बात वसूल ....

महाभारत में पांडवों के अज्ञातवास के प्रसंग का वर्णन करते हुए उनका एक दोहा प्रस्तुत है...

सुन सैरन्ध्री की बात को हो गया विश्वास
उत्तरा कुमारी पहुंच गई वृहन्नला के पास

रामायण में कैकेयी की वीरता और राम वनवास का वर्णन करते हुए कहते हैं ...

केकैयी दशरथ गैल्यां आप चढ़या करती रण मै
धुरी टुटी हाथ अडाया पीड घणी हुई तन मै
सही राजी होके बचन भरे थे जो धारण करी थी मन मै
वे बचन मांग फेर कढा दिये थे श्री रामचन्द्र जी वण मै

समाज को सन्देश देते हुए उन्होंने लिखा है .....

भुंडा भुंडी करया करै सदा भले पुरुष के संग
जैसे चन्दन कै लिपटया रहै ना तजता जहर भुजंग
कदे नीच नै छेडै ना चाहे कितना करले तंग
जैसे पत्थर पड़े कीच मै वो उच्छल बिगाड़ै अंग

पंडित रामसरूप सिटावली के विस्तृत साहित्य संसार से रूबरू होकर निश्चित हो जाता है कि उन्होंने अपने साहित्य से हरियाणवी को समृद्ध बनाने का कार्य किया है। उनकी रचनाएँ समाज को प्रेरित करती हैं। निसंदेह ऐसे लोककवि हरियाणवी लोक साहित्य की धरोहर हैं जो किसी को भी हरियाणवी की ओर आकर्षित करते हैं तथा हरियाणा को गर्वित करते हैं।

कविता | सत्यवीर नाहड़िया

चोल्ला नै बदनाम करैं ये...

चोल्ला नै बद्नाम करैं ये, पाप हुवै जो भारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

एक बखत था बाबा पग-पग, फरज निभाया करते।
धरम-करम का मरम खोल कै, वे समझाया करते।
कदे नहीं बहकाया करते, पुज्जैं थे नर-नारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

नये दौर के न्यारे बाबा, नित जो ढोंग फलावैं।
अपणे दुक्ख मिटैं कोन्या पर, जग के दुक्ख मिटावैं।
भगत बावळे बढ़ते जावैं, ढोंग-करम न्यूँ जारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

चेल्ले कम अर चेल्ली ज्यादा, नीयत घणी डिगावैं।
कुछ दिन पाच्छै पोल खुलै तै, बंद जेळ म्हं पावैं।
भोळी जंता नै भरमावैं, बणकै खुद अवतारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

किरपा अटकी कोय उतारै, चटणी हरी खुवाकै।
कोये कष्ट मिटावै सारे, धूळी चरण दिवाकै।
कोये दे ताबीज़ बणाकै, कुछ बण ग्ये ब्योपारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

बोट्टां खात्यर नेता सारे, इन्नै सीस नवावैं।
अंधभगत सभ देक्खा-देक्खी, इन्नै पुज्जे जावैं।
कह 'नाहड़िया' ढोंग रचावैं, कला सीख ल्यी न्यारी।
पग-पग पावैं ढोंगी बाबा, खोल बताऊँ सारी।।

कविता | आशा खत्री 'लता'

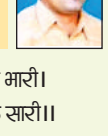

पणिहारिण स्याणी

जिस कूए का मीठा पाणी,
उड़े तैं भरै पणिहारिण स्याणी।

जितणा हो उतने मैं सारै,
दुखी करया करै चीज बिराणी।

घर-घर हांडै होठ पीटती,
उसनै कह सब धक्के खाणी।

आपणे घर मैं सुथरी लगै,
आपणे राजा के संग राणी।

माँ बाप्पा की पैड़ पै चालै,
छोटा बालक बेटी याणी।

गैर टैम सज-धज कै लिकड़ै,
लोग कहवैं उसनै गिरकाणी।

भले घरां तैं कदै डिगै ना,
आ बैठ अर मीठी बाणी।

कहै 'लता' ढंग तैं चाल्लै तै,
घर मैं सुरग तार ले प्राणी।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

रोचक तथ्य | **14वीं शताब्दी में यमन के शेखों ने नए किले का निर्माण किया था, जहां वर्तमान में किला मोहल्ला आबाद है**

रोहतक नगर के भव्य ऐतिहासिक साक्ष्य आज भी मौजूद

इतिहास | **यशपाल गुलिया**

रोहतक एक प्राचीन नगर है जिसका साक्ष्य खोखरा कोट स्थल है। खोखरा कोट के उत्खनन से सदियों पुराने सिक्के आदि प्राप्त होते रहे हैं। यहां पर न केवल खोखरों द्वारा निर्मित दुर्ग था बल्कि प्राचीन रोहतक नगर की आबादी भी उसी स्थल के इर्द-गिर्द थी।

विभिन्न पुरातत्वविदों द्वारा समय-समय पर खोजबीन करने पर रोहतक के प्राचीन होने के बारे में साक्ष्य प्राप्त होते रहते हैं। वर्तमान नगर की आबादी सल्तनत काल में स्थानान्तरित हुई प्रतीत होती है। क्योंकि 14वीं शताब्दी में यमन के शेखों ने एक नए किले का निर्माण कर लिया था जहां आजकल किला मोहल्ला आबाद है। उसी किले पर कन्धार के पठानों व शेखों आदि का नियन्त्रण बना रहता था तथा इर्द-गिर्द नई आबादी बस गई। रोहतक के किले पर वर्ष 1412 में मलिक ईदरीश तथा उसके भाई मुबारिज खान का अधिकार था। उस वर्ष सैयद वंश के खिजर खान ने रोहतक के किले पर धावा बोला था जो कई मास के घेरा डालने के बाद सफल हुआ था। लेकिन मलिक ईदरीश ने खिजर खान को एक मुश्त राशि देकर किले पर अपना नियन्त्रण ही बनाए रखा, जो लगभग 20 वर्षों तक रहा। तारीख-ए-मुबारक शाही में उपरोक्त ऐतिहासिक घटनाओं का उल्लेख प्राप्त होता है। उसके बाद मुगल काल में रोहतक परगने का मुखिया शमशेर खां नामक अधिकारी रहा। यद्यपि रोहतक के उस ऐतिहासिक किले के अब कोई अवशेष बाकी नहीं हैं, उस स्थान पर केवल एक मोहल्ला आबाद है। लेकिन 1870 में डेविड बेगलर नामक अंग्रेज ने रोहतक के किले का बाह्य चित्र लिया था जो अभी भी उपलब्ध है। वर्ष 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में भी रोहतक के किले का उपयोग किया गया था, जो ऐतिहासिक पुस्तकों में दर्ज हो गया। किले के आस-पास के निवासी रांघड़ व पठान बबरखां के नेतृत्व में संगठित हो गए और किले मे आवश्यक युद्ध सामग्री इकट्ठी की गई थी। इसका

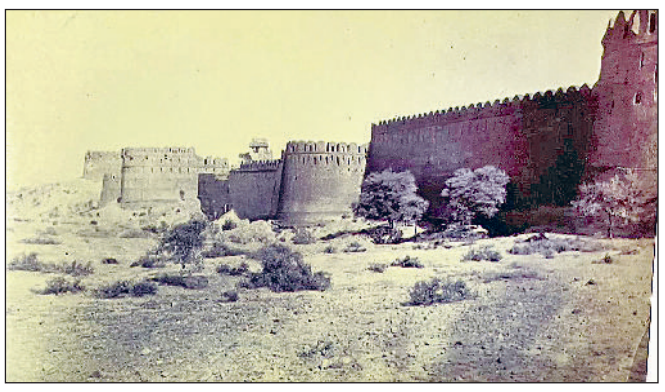

रोहतक के किले का वास्तिवक चित्र जो कि 1870 में एक अंग्रेज द्वारा लिया गया था।

1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में भी रोहतक के किले का उपयोग हुआ

दिल्ली की रिज पर स्थित अंग्रेजों को पता चला तो उन्होंने हड़सन के नेतृत्व में एक सेना रोहतक आक्रमण के लिए भेज दी। किले में ग्रामीण रांघड़ों के अतिरिक्त बगावत करके आई हुई फर्स्ट लाइट इन्फैंट्री यानि पहली हल्की पैदल सेना बटालियन भी थी। इस प्रकार 17 अगस्त 1857 से 2-3 दिनों तक रोहतक के किले के बाहर अंग्रेज सेना से युद्ध हुआ था। अन्ततः जीन्द राजा द्वारा भेजे गए सैनिकों आदि की सहायता से हड़सन का पक्ष विजयी रहा। उल्लेखनीय है कि फर्स्ट लाइट इन्फैंट्री बटालियन मुख्यतः रोहतक कलानौर क्षेत्रों के रांघडों व पठानों द्वारा गठित थी, जो अंग्रेज सेना का अंग होती थी। इसी प्रकार अंग्रेजों का शासन स्थापित होने पर उन्होंने रोहतक, महम, हांसी तक का क्षेत्र दुजाना के नवाब को प्रदान कर दिया था। लेकिन इस क्षेत्र की जनता से वह लगान वसूल नहीं कर पाया और भिवानी में दुजाना नवाब के लड़के का वध कर दिया। तब बोहर वासियों द्वारा दुजाना नवाब के दामाद का कत्ल कर देने पर नवाब ने इस क्षेत्र का स्वेच्छा से परित्याग कर दिया। 1810 में अंग्रेजों ने भिवानी में इकट्ठे हुए ग्रामीणों के साथ युद्ध किया तथा उपरोक्त समस्त क्षेत्र को 1810 से एक नया जिला बना दिया। इसको शिमाली जिले का नाम दिया गया तथा एडवर्ड गार्डिनर को जिलाधीश बनाकर हांसी मुख्यालय स्थापित किया गया जबकि 1818-1820 में गोहाना-खरखौदा परगनों के स्वत्रन्त्र होने पर अंग्रेजों ने 1824 से रोहतक को एक स्वतन्त्र जिला बना दिया। उल्लेखनीय है कि गोहाना-खरखौदा परगनों पर तब तक सिख शासकों का अधिकार था। इसी प्रकार वर्ष 1858 से झज्जर व बहादुरगढ़ रियासतों के जब्त होने पर रोहतक जिले में फिर से एक बार प्रशासनिक परिवर्तन किया गया था।

गौकर्ण तालाब के पास 500 वर्ष पुरानी इमारत, जोकि रोहतक के प्राचीन होने का साक्ष्य है। यहां अरबी भाषा में लिखा शिलालेख भी मौजूद है

सांस्कृतिक विरासत को संजोने में फिल्में अहम : विजय तंवर

कलाकार | **ओ.पी पाल**

भारत एक संस्कृतिक देश है, जिसमें हरियाणा की समृद्ध संस्कृति का अपना अलग महत्व है, जिसकी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलख जगाने में कलाकार, गीतकार, साहित्यकार और लेखक अपनी अपनी विधाओं में साधना करते आ रहे हैं। ऐसे ही फिल्म जगत में अपनी कला के माध्यम से समाज को अपनी संस्कृति को सर्वोपरि रखने का संदेश देते आ रहे कलाकार विजय तंवर ने अभिनेता के साथ फिल्म निर्देशक की भूमिका में लोकप्रियता हासिल की है। फिल्मों के अलावा धारावाहिक व वेबसीरिज के निर्माण में जुटे फिल्म निर्देशक विजय तंवर ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कुछ ऐसे तथ्यों को भी उजागर किया, जिसमें फिल्मों के क्षेत्र में कला और संस्कृति के आधार पर निर्मित फिल्मों से सामाजिक विरासत को संजोना संभव है।

विजय तंवर का जन्म 15 दिसंबर 1965 को गुरुग्राम जिले के गांव करोला में जगदीश सिंह तंवर और भगवती देवी के घर में हुआ। इनके पिता भारतीय नौसेना में थे। पिता के साथ रहते हुए ही उन्होंने अपनी स्कूली और कालेज की शिक्षा मुंबई में ही ग्रहण की। उनके परिवार में उन्हें अभिनय या संगीत का माहौल तो नहीं मिला, लेकिन वह स्कूल में अपनी म्यूजिक क्लास के दौरान थोड़ा गाना बजाना कर लिया करते थे। इसी कारण स्कूल के वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी करने लगे। दसवी कक्षा के दौरान मुंबई में उन्होंने

तीन फिल्मों त्रिशूल, नास्तिक, रॉकी इत्यादि की शूटिंग को देखा तो उनके मन में काम करने का जज्बा पैदा हुआ। खासकर शूटिंग के दौरान सभी प्रमुख अभिनेता समेत सभी कलाकार निर्देशक से लेकर तकनीकी टीम को सम्मान देते हैं और निर्देशक के इशारे पर काम करते हैं। उन्होंने सम्मान की खातिर फिल्म जगत में किसी भी ऐसी भूमिका के लिए उत्सुकता महसूस की। इसलिए वह फिल्म निर्देशकों और प्रोडयूसरों के दफ्तरों के चक्कर काटकर उनसे मेलजोल बढ़ाने लगे। फिल्म क्षेत्र में काम करने के लिए ही विजय तंवर ने सामाजिक कार्य में प्रोफेशनल मास्टर डिग्री, फिल्मोग्राफी, फिल्म मेकिंग में कोर्स भी किये। फिल्म निर्देशक विजय तंवर ने बताया कि ग्रेज्युएशन के दौरान कुछ प्रोड्यूसर, डायरेक्टरों से संबंध मजबूत हुए तो सहायक निर्देशक के रूप में काम मिल गया। हालांकि उन्होंने ऐसा कोई कोर्स तो नहीं किया था, इसलिए भरोसा जमाने के लिए चार पांच साल लग गये। उन्हें पहली फिल्म मिली तो उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उसके बाद पांच फिल्मों में काम किया, जिनमें दो रिलीज हो पाई। उनके सहायक निर्देशन में पहली रिलीज होने वाली फिल्म 'अधूरी सुहागरात' थी। दूसरी फिल्म मोहब्बत मेरा नसीब थी, जिसमें अनुपम खेर, सुरेश ओबरॉय, मोहनीश बहल, पुनीत इस्सर आदि रहे। इसके बाद बागी औरत फिल्म में उन्होंने काम किया। उन्होंने दूरदर्शन पर 52 एपिसोड का सीरियल 'दास्ताने हातिम ताई' किया। इसके बाद एसोसिएट डायरेक्टर के रूप में तीन और सीरियल किये, जिनमें द ग्रेट मुगल, इन्तेहा और स्पेशल टास्क फोर्स के नाम शामिल हैं। उन्हें एक हरियाणवी फिल्म 'छोरी नट की' में भी काम करने का मौका मिला। तंवर को हिंदी फिल्म 'गुड्डू' में भी सहायक निर्देशक के रूप में काम करने का मौका मिला।

फिल्म कलाकार विजय तंवर का कहना है कि युवाओं को लोक कला संगीत, अभिनय संस्कृति के प्रेरित करना चाहिए, जिसके लिए वह भी करते आ रहे हैं। कला के माध्यम से ही संस्कृति हमारे जीवन में संगीत, नृत्य, नाटक, चित्रकला, सिनेमा, फोटोग्राफी रूप में अभिव्यक्ति पाती है। इस युग में युवाओ को लोक कला, संगीत, अभिनय, रंगमंच जैसी संस्कृति के लिए प्रेरित करना आवश्यक है, जो सामाजिक परिदृश्य को संरक्षित या मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है। भले ही नए तकनीक संचार के उपयोग के कारण युवा अधिक ध्यान दे रहे हों, लेकिन अपनी संस्कृति के मान सम्मान से ही वे अपनी सामाजिक विरासत को संजोए रख सकते हैं।

पुरस्कार और सम्मान

विजय तंवर के निर्देशन में समाज में बालिकाओं की स्वीकार्यता पर आधारित निर्मित लघु फिल्म 'दिशा' को 25 से भी ज्यादा फिल्म फेस्टिवल में पुरस्कार मिल चुके हैं। तंवर को मिले प्रमुख पुरस्कारों में दादा साहब फाल्के अवार्ड के अलावा मराठवाडा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल मुंबई, काशी इंडियन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, गंगटोक इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, एशियन टेलेंट इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, रील्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, सेवन सिस्टर नॉर्थ ईस्ट इंटर नेशनल फिल्म फेस्टिवल, उमरेड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, जलगांव इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल तथा रोशनी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल आदि में पुरस्कार मिले हैं।

खबर संक्षेप

नामांकन अभियान चलाएगा अध्यापक संघ

भिवानी। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा एवं स्कूल टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया की बैठक अध्यापक भवन विजयनगर में आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान जिला राठी ने कि व संचालन जिला सचिव सुमेरसिंह आर्य ने किया। बैठक में अमर शहीद भगत सिंह राजगुरु व सुखदेव को श्रद्धांजलि दी गई और उनके बलिदानों को याद किया ।

कार्यक्रम में प्रतिभाओं को किया सम्मानित

भिवानी। सेंट जेवियर्स स्कूल, भिवानी के छात्रों ने इस साल की परीक्षा में शानदार परिणाम दिए हैं। स्कूल के सभी वर्गों में छात्रों ने उच्चतम अंक प्राप्त कर जेवियर्स का नाम रोशन किया है। इसी अवसर पर स्कूल में भी ग्रेजुएशन डे मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि स्कूल के प्रबंधक मनीष सिंह, स्कूल निर्देशिका कीर्ति चौहान, स्कूल प्रधानाचार्य, अध्यापक व अभिभावक उपस्थित रहे। मुख्य द्वार पर सभी अतिथियों का स्कूल की तरफ से तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

पौधरोपण कर किया शहीदों को नमन

लोहारू। शहीद भगतसिंह, राजगुरु तथा सुखदेव के शहादत दिवस पर शिक्षक लीलाराम वर्मा ने गांव समसावास स्थित मुक्तिधाम में ग्रामीणों के साथ 16 पौधे रोपित किए और शहीदों को नमन किया। राजकीय प्राथमिक पाठशाला ढाणी गंगा बिशन के प्राथमिक शिक्षक लीलाराम वर्मा ने अर्जुन, अशोक, पिलखन, बरगद, नीम, पापड़ी, पीपल तथा शीशम के पौधें लगाए और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया।

यज्ञ में आहुति डाल किया शहीदों को नमन

लोहारू। रविवार को शहीदी दिवस पर रामलीला मैदान में शहीद भगत सिंह कल्याण समिति और शहीद भगत सिंह युवा ब्रिगेड के तत्वावधान में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया, इससे पहले शहर के अनेक नवनिर्वाचित पार्षदों और शहर के गणमान्य लोगों ने शहीद भगतसिंह, राजगुरु और सुखदेव की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

बच्चे के लिए शिक्षा को सरल बनाएं : डॉ. फौगाट

चरखी दादरी। बालक का घर जैसा वातावरण व लाड़-प्यार देकर अध्यापक पढ़ाई को मनोरंजन का माध्यम बनाते हुए उसकी रुचि बढ़ा सकता है। खेल-खेल में शिक्षण की बहुआयामी गतिविधियों का प्रयोग कर बच्चे के लिए शिक्षा को सरल बनाना शिक्षिकाओं का दायित्व है। एचडी किड्स केयर समसपुर के वार्षिक उत्सव के दौरान उपस्थित अभिभावकों को संबोधित करते हुए डॉ. अस्मिता फौगाट ने बतौर मुख्यतिथि हिस्सा लेते हुए उपरोक्त बातें कहीं।

एसडी एकेडमी में शहीदों की नमन

चरखी दादरी। एसडी एकेडमी खेड़ी बुरा के प्रांगण में स्वामी सच्चिदानंद के ब्रह्मत्व में यज्ञ का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि यज्ञ के यजमान एकेडमी निदेशक अशोक रंगा रहे।

मांगें नहीं मानी तो 20 मई की हड़ताल में प्रदेशभर के मजदूर लेंगे भाग

लेबर कोड निरस्त करवाने व न्यूनतम वेतन 26000 हजार देने की उठाई मांग

मनोज सोनी चुने गए भवन निर्माण कामगार यूनियन के राज्य प्रधान

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। भवन निर्माण मजदूरों के राज्य सम्मेलन को संबोधित करते वक्ता व राज्य सम्मेलन को संबोधित करते फेडरेशन के राष्टीय सचिव अर्काराज पंडित, मंचासीन अन्य पदाधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

भवन निर्माण कामगार यूनियन सम्बन्धित सीटू का 10वां दो दिवसीय राज्य सम्मेलन रविवार को संपन्न हो गया। सम्मेलन में 29 सदस्यीय राज्य कमेटी का सर्वसहमति से चुनाव किया, जिसमें राज्य अध्यक्ष मनोज सोनी, राज्य उपाध्यक्ष देसराज, राममेहर सिंह, कश्मीर सिंह, विनोद, महासचिव सुखबीर सिंह, राज्य सचिव राजू बरवाला, कपूरसिंह, अनिल कुमार, कमलेश और राज्य कमेटी सदस्य ओमप्रकाश अनेजा, नत्थूराम, लच्छीराम, वेदप्रकास, सतपाल, जगीर सिंह, जोगेंद्र जींद, सुमेर सिंह दादरी, सरोज, संतोष, बलवंत सिंह, सदीक, धर्मदास, विनोद, कृष्ण, वीरेंद्र हिसार ने सर्वसहमति से चुनाव किया। राज्य सम्मेलन में फेडरेशन के राष्टीय सचिव अर्काराज पंडित ने संबोधित करते हुए कहा दो दिन से राज्य सम्मेलन चला हुआ है, जिसमें केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार द्वारा लागू मजदूर विरोधी नीतियों पर मंथन एवं चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से राज्य सरकार ने मजदूरों का न्यूनतम वेतन नहीं बढ़ाया, केन्द्र सरकार ने मजदूरों के 29 पुराने कानून खत्म कर चार कोड संहिता थोप दी, उन्हें 8 की बजाय 12 घंटे काम करना पड़ता है, मंहगाई की ज्यादा मार मजदूरों पर ही पड़ रही है।

उन्होंने सरकार से मांग की कि बढ़ती मंहगाई को देखते हुए कम से कम 26000 रुपये प्रति माह मजदूरी दी जानी चाहिए, मनरेगा पर प्रयाप्त बजट खर्च हो, सार्वजनिक वितरण प्रणाली में 14 आवश्यक चीजें सस्ती मिले, श्रम कल्याण बोर्ड में भ्रष्टाचार समाप्त होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरे देश में केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर 20 मई को केन्द्र सरकार की जनविरोधी कारपोरेट परस्त नीतियों व साम्प्रदायिक जातिवादी व मजदूरों विरोधी नीतियों के खिलाफ देशव्यापी सम्पूर्ण हड़ताल होगी। सीटू राज्य महासचिव जयभगवान ने कहा कि वर्तमान दौर में कारपोरेट शासन की आर्थिक नीतियों का हमला मजदूरों किसानों पर हो रहा है। सम्मेलन में संदीप, कपूरसिंह, अनिल, नथुराम, लच्छीराम, ओमप्रकाश, विनोद देशवाल आदि नेताओ ने संबोधित किया।

भिवानी। शहीदों को नमन करते रीतिक वधवा व अन्य। *फोटो: हरिभूमि*

भाजपाइयों ने अमर शहीदों को किया नमन

भिवानी। भारत माता को गुलामी की जंजीरों से मुक्त करवाने के लिए अमर शहीद सरदार भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव सिंह ने भरी जवानी में हंसते-हंसते फांसी का फंदा चूम लिया था, ऐसे वीर शहीदों को जितना नमन किया जाए, वह कम है। शहीदों के बलिदान का ऋण हम कभी उतार तो नहीं सकते, लेकिन उनके दिखाए मार्ग पर चलकर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि जरूर दे सकते हैं, ये बात भाजपा नेता रीतिक वधवा ने कही। भाजपा कार्यकर्ताओं ने अमर शहीद भगतसिंह, राजगुरू, सुखदेव को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि शहीदों के बलिदान को युवाओं को अपने दिलों में देशप्रेम की भांति जिंदा रखकर उनके दिखाए मार्ग पर चले और देश की तरक्की एवं उन्नति में अपना योगदान दें।

भिवानी। प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

वैश्य इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिकोत्सव मनाया

- हर विद्यार्थी में छिपी है अनोखी प्रतिभा : रतन गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

वैश्य इंटरनेशनल विद्यालय में द्वितीय वार्षिकोत्सव "तरंग" धूमधाम से मनाया गया। इस महोत्सव के मुख्य अतिथि वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट अध्यक्ष शिव रतन गुप्ता रहे। समारोह अध्यक्ष विद्यालय महासचिव डॉ. पवन कुमार बुवानी वाला ,कोषाध्यक्ष विजय किशन अग्रवाल,वैश्य कालेज प्राचार्य संजय गोयल,वैश्य सीनियर सेकंडरी विद्यालय के सी.ई.ओ. महेश गर्ग , वैश्य मॉडल सीनियर सेकंडरी विद्यालय प्राचार्या कमला गुरेजा व वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट सदस्य सुंदरलाल अग्रवाल उपस्थित रहे। वैश्य इंटरनेशनल विद्यालय प्राचार्य डॉ. करतार सिंह जाखड़ ने समस्त अतिथि गण को बैज लगाकर व फूल माला पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष फूल माला अर्पित कर व दीप प्रज्वन के साथ की गई। 23 मार्च जो कि शहीदी दिवस के रूप में मनाया जाता है जिस दिन 1931 को भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव को ब्रिटिश सरकार द्वारा फांसी दी गई थी। शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके पश्चात समारोह अध्यक्ष पवनकुमार बुवानी वाला ने समस्त अभिभावकों को शिक्षा के अधिकार के बारे में बताते हुए जागरूक किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी

समारोह मुख्य अतिथि शिव रतन गुप्ता जी ने शहीदों को याद करते हुए कहा कि आजादी की नीव इन वीर शहीदों की बलिदानी से मिली है। अतिथि ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए संदेश दिया कि प्रत्येक बच्चे को हर गतिविधि में बढ़-कर कर भाग लेना चाहिए क्योंकि किसी भी बच्चे में प्रतिभा की कमी नहीं होती। समारोह में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी अभिभावकों का मन मोह लिया। बच्चों ने वीर शहीदों को याद करते हुए नाटक के माध्यम से सभी की आंखें नम कर दी। नन्हें-मुन्ने बच्चों ने रंग-बिरंगे परिधानों में अपनी प्रस्तुति से सभी का मनोरंजन किया।

तोहफा देवी के निधन से शोक की लाहर

- स्वतंत्रता सेनानी ठाकुर शिंभू सिंह तवंर की धर्मपत्नी तोहफा देवी का स्वर्गवास

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। स्व .तोहफा देवी को सलामी देते हुए व स्व . तोहफा देवी। *फाइल फोटो।*

देश की आजादी के लिए यातनाएं सहकर देश को आजाद करवाने में अपने भूमिका अदा करने वाले स्वतंत्रता सेनानी स्व. ठाकुर शिंभू सिंह तवंर की 90 वर्षीय पत्नी तोहफा देवी स्वर्ग रविवार सुबह लगभग साढ़े दस बजे सिधार गई। वे पिछले एक सप्ताह से बीमार चल रही थी।

उनके स्वर्ग सिधारने से कस्बा में शोक की लहर दौड़ पड़ी। स्व. ठाकुर शिंभू सिंह तंवर व स्व. तोहफा देवी की 7 संतानों में 4 बेटे व 3 बेटियां हुई। जिनमें राम अवतार, जयबीर सिंह, कंवर भान सिंह, श्यामपाल सिंह, बेटियों में पार्वती देवी, सुशीला देवी, मुन्नी देवी। बेटों में राम अवतार व बेटियों में पार्वती देवी व मुन्नी देवी स्वर्ग सिधार चुकी हैं। स्वतंत्रता सेनानी स्व. ठाकुर शिंभू सिंह तंवर ने आर्मी में लगभग 13 वर्ष के करीबन कार्य किया और वर्ष 1998 में स्वर्ग सिधार गए।

उन्होंने देश आजादी के लिए जर्मनी में 7 वर्ष तक यातनाएं सही। देश के प्रति खून में जज्बा होने के कारण स्वतंत्रता सेनानी स्व. ठाकुर शिंभू सिंह तवंर की चौथी पीढ़ी देश की सेवा में लगी हैं हालिया स्वतंत्रता सेनानी स्व.ठाकुर शिंभू सिंह तवंर पड़तोता चेतन ने भी देश की सेवा के लिए कार्य ग्रहण किया। वहीं स्वतंत्रता सेनानी स्व0 ठाकुर शिंभू सिंह तवंर की पत्नी तोहफा देवी का दाह संस्कार किया गया।

कलश यात्रा से श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

- जीवन के उद्देश्य एवं दिशा को दर्शाती श्रीमद् भागवत कथा : पूर्णेन्दु

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। श्री मदभागवत कथा के आयोजन से पहले कलशयात्रा निकालती महिलाएं।

शिव शक्ति सनातन धर्म चैरिटेबल ट्रस्ट रजि. के संयोजन में कीर्ति नगर स्थित मंगेज भवन में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन करवाया जा रहा है, जिसकी शुरूआत रविवार को कलश यात्रा से हुई। जिसमें सदगृहस्थ संत स्वामी पूर्णेन्दु महाराज कथा का वाचन कर रहे है। यह जानकारी देते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रदीप कुमार उर्फ सोनू व कोषाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा 29 मार्च तक चलेगी तथा 29 मार्च को हवन एवं प्रसाद वितरण के साथ कथा का समापन होगा। उन्होंने बताया कि कथा का समय दोपहर एक बजे से 6 बजे तक रहेगा तथा इससे पूर्व प्रतिदिन सवा 12 बजे भजन-कीर्तन का भी आयोजन भी होगा। उन्होंने बताया कि रविवार को कलश यात्रा कीर्ति नगर स्थित श्री दंडी स्वामी शिव मंदिर से प्रारंभ हुई तथा बड़ चौक, महम रोड, 54 फीट रोड से गोपी वाली कुई होते हुए मंगेज भवन पर संपन्न हुई। इस दौरान अनेक महिलाएं मौजूद रही। कलश यात्रा के उपरांत कथा का वाचन करते हुए सदगृहस्थ संत स्वामी पूर्णेन्दु ने कहा कि य श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करने से मानव जीवन में एक जन्म नहीं, अपितु हमारे कई जन्मों के पापों का नाश होने के साथ ही हमारे शुभ कर्मो का उदय भी होता है। उन्होंने कहा कि कथा सुनने मात्र से जीव जन्म और मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है। इस मौके पर माया मुदगिल, शशी परमार, सुनीता तंवर, राजेश सहरावत, रामअवतार पाराशर, श्रीनिवास शर्मा, मनजीत तंवर, सोनू सैनी, शिवराज बागड़ी, पवन महता सहित अनेक श्रद्धालुगण मौजूद रहे।

पार्क और स्टेडियम की चर्चा से बढ़ी उम्मीद

- दादी गौरी खेल स्टेडियम व हर्बल पार्क की उठने लगी मांग

दीपक कुमार डुमड़ा ⏭बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा में पिछले काफी समय से खेल स्टेडियम व पार्क न होने से एक तरफ जहां कस्बावासियों का गुस्सा सातवें आसमान पर था वहीं विधायक कपूर वाल्मीकि द्वारा बिजली निगम के पास स्थित मैदान पर खेल स्टेडियम व पार्क के पास करवाने की चर्चा से जहां कस्बावासियों में आस जगी है वहीं लोगों ने दादी गौरी स्टेडियम व जमालपुर फाटक के पास हर्बल पार्क को भी हरि झंडी दिलवाने की मांग की जाने लगी है। वहीं व्यायामशाला को लेकर भी लोगों की उम्मीदें बढ़ी हैं।

बीमारियों का होगा खात्मा :गजानंद

समाजसेवी एवं योगाचार्य गजानंद शास्त्री ने बताया कि हलके के छोटे छोटे अनेक गांवों में व्यायामशालाएं स्थापित है। शहर की जनसंख्या का आंकड़ा लगभग 25 हजार के करीबन पहुंच चुका है लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि यहां आज तक व्यायामशाला नहीं बनी। इसके बनने से लोगों की अधिकतर बीमारियों का खात्मा हो जाता। वहीं उन्होंने कहा कि विधायक व चेयरमैन से मिलकर किसी स्थान को चिन्हित करवाकर इसे शुरू करवाया जा सकता है, जब विभागीय आदेश आएं उस समय स्थाई व्यवस्था हो सकती है।

हुडा के पार्कों की सुधरे हालातः राजेश

समाजसेवी एवं डॉ. राजेश ठकराल ने बताया कि युवाओं की मांग है कि दादी गौरी स्टेडियम को भी स्वीकृत करवाया जाए और हुडा के दर्जनों पार्क अपना अस्तित्व खो चुके हैं विधायक व चेयरमैन से आस जगी है कि इनकी भी सुध ली जाए और इनमें जान फूकने का काम किया जाए। क्योंकि ट्रिपल इंजन की सरकार से शहर के लोगों को काफी उम्मीदे हैं।

पार्क का होना जरूरी

वरिष्ठ नागरिक हनुमान पारासर ने बताया कि वे हलके की जनता के दुख दर्द को समझते हैं। उन्होंने जिस प्रकार से बिजली निगम के पास पिछले काफी समय से पार्क व स्टेडियम की मांग में जान डालने का काम किया है।

निर्माण हो रहा

समाजसेवी एवं विधायक कपूर वाल्मीकि के छोटे भाई राकेश वाल्मीकि ने बताया कि शहर में पानी व्यवस्था के लिए पाइप लाइन डलवाई गई है, जलघर का निर्माण हो रहा है।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का किया स्वागत

- गांव बामला में भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष कौशिक का सम्मान समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। बामला में ग्रामीणों को संबोधित करते भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक।

भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक के सम्मान में रविवार को गांव बामला में कार्यकर्ताओं का सम्मान समारोह का आयोजन किया। समारोह को नेतृत्व बामला-1 के सरपंच सुरेश बामला ने किया तथा विरेंद्र कौशिक का फूल-मालाएं एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। कौशिक ने सरपंच सुरेश बामला सहित अन्य ग्रामीणों का आभार जताते हुए कहा कि उनका उद्देश्य भाजपा के मूल उद्देश्य पर चलते हुए सबका साथ-सबका विकास के नारे को सार्थक करना है तथा भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों की जानकारी कार्यकर्ताओं के माध्यम से प्रत्येक जन तक पहुंचाना है। कौशिक ने कहा कि भाजपा प्रत्येक जन के हित एवं उत्थान के लिए कार्य कर रही है, ताकि समाज के सभी वर्गों का समान रूप से विकास किया जा सकें। कौशिक ने कहा कि प्रदेश का समान विकास सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बेहद सराहनीय बजट पेश किया, जिसमें सभी वर्गों का ध्यान रखा गया। इस अवसर पर मास्टर भगवानदास, डॉ. कपूर लडवाल, धर्मबीर शर्मा, किशनलाल, बलबीर दुहन, मोनी पंच, मदन शर्मा, पंडित जयभगवान, राजेंद्र पंच, राजपाल प्रजापत शक्ति केंद्र प्रमुख, रामनिवास, अजीत पंच, हरिसिंह ग्रेवाल, रमेश पचेरवाल आदि मौजूद रहे।

विधायक ने सुनीं जनसमस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

चरखी दादरी। जनता दरबार लगाकर जनसमस्याएं सुनते विधायक सुनील सांगवान।

रविवार को विधायक सुनील सांगवान ने जिला पार्टी कार्यालय में जनता दरबार लगाकर जनसमस्याएं सुनी। इस दौरान काफी संख्या में शहर व गांवों के लोग अपनी समस्या लेकर विधायक सुनील के समक्ष पहुंचे और समाधान की गुहार लगाई। विधायक सांगवान ने समस्याएं सुनने के बाद उनको समाधान करने बारे संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। विधायक सुनील सांगवान ने लोगों की समस्याएं सुनने के दौरान कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा धरातल पर योजनाओं को लागू करने की दिशा में काम किया जा रहा है, यहीं कारण है कि लोगों को सरकार की योजनाओं का सीधे रूप से फायदा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में दादरी हलका में सरकार द्वारा अनेक योजनाओं की मंजूरी दी जाएगी। उनके पिता एवं पूर्वमंत्री स्वर्गीय सतपाल सांगवान की सोच के अनुरूप दादरी के विकास को आगे बढ़ाया जाएगा। इस दौरान लोगों ने विधायक के समक्ष नहरी पानी कि किल्लत, दूषित जलभराव, दूषित पेयजल आपूर्ति, गली निर्माण आदि समस्याएं लिखित में देकर समाधान की अपील की।

राज्य स्तरीय नेटबॉल चैंपियनशिप संपन्न

तीनों इवेंटों में सोनीपत की टीम अव्वल

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। खेल मैदान में खेल प्रशिक्षकों के साथ विजेता टीम। *फोटो: हरिभूमि*

हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन द्वारा जिला के कलिंगा के एक निजी स्कूल में राज्य स्तरीय नेटबॉल चैंपियनशिप के तीन इवेंट्स का आयोजन करवाया गया। जिसके तहत तीसरी सीनियर हरियाणा स्टेट फास्ट फाईव नेटबॉल चैंपियनशिप, तीसरी सब जूनियर हरियाणा स्टेट फास्ट फाईव नेटबॉल चैंपियनशिप तथा पहली सब जुनियर हरियाणा स्टेट मिक्स नेटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन करवाया गया। जिनका रविवार को समापन हो गया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के समापन समारोह में बतौर मुख्यअतिथि नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव विजेंद्र सिंह ने शिरकत की तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर स्कूल की संचालिका रेणुका शर्मा, चंडीगढ़ नेटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास शर्मा, नेटबॉल एसोसिएशन भिवानी के अध्यक्ष पवन कौशिक, हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन के प्रधान हरिओम कौशिक, भिवानी नेटबॉल एसोसिएशन की महासचिव सोनम पहुंचे तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

रोहतक को हराया

हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन की महासचिव दहिया ने बताया कि तीसरी सीनियर हरियाणा स्टेट फास्ट फाईव नेटबॉल चैंपियनशिप के पुरूष वर्ग में सोनीपत ने रोहतक को 30-20 के अंतर से तथा तीसरे स्थान पर भिवानी की टीम रही। इसी इवेंट की महिला वर्ग में सोनीपत ने राहतक को 31-24 के अंतर से हराया तथा तीसरे स्थान पर कैथल की टीम रही।

हालुवास में धूमधाम से मनाया जाएगा हनुमान जन्मोत्सव

भिवानी। बालाजी मंदिर कमेटी हालुवास की बैठक कमेटी प्रधान रामअवतार शर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक को संबोधित करते हुए कमेटी उपप्रधान हरीश हालुवासिया ने 12 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाने के बारे में दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर सुन्दर कांड पाठ, हवन-यज्ञ व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। हनुमान जत्मोत्सव का आयोजन समस्त ग्रामीणों के सहयोग से किया जाएगा। कार्यक्रम सफलता के लिए जिम्मेवारियां सौंपी गई। इस अवसर पर मास्टर भंवरसिंह, विनोद शर्मा, सुरेश शर्मा, राधेश्याम शर्मा, मैनेजर बिजेन्द्र, ऋषिराज यादव उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

शहीद भगतसिंह, राजगुरू व सुखदेव को दी श्रद्धांजलि

भिवानी। शहीदों की बदौलत ही आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं, देशभक्ति की भावना सदा बनी रहनी चाहिए ये आध्यात्मिकता से ही संभव है, ये उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की कादमा शाखा में शहीदी दिवस पर शहीद भगतसिंह, राजगुरु व सुखदेव को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए ब्रह्माकुमारी नीलम बहन ने व्यक्त किए।

स्वतंत्रता सेनानी परिवारों ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

भिवानी। शहीद आजम भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव के 94वें शहीदी दिवस पर स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी कल्याण संगठन ने श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शहीदों के दिखाए मार्ग पर चलने का संदेश दिया। संगठन के संस्थापक महेन्द्रपाल सिंह यादव ने कहा कि हमें शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेकर देशभक्ति के कार्य करने चाहिए और उनके सपनों का भारत बनाने में अपनी अहम भूमिका अदा करनी चाहिए। इस अवसर पर रणबीर सांगवान, धर्मपाल ग्रेवाल, बिजेन्द्र कोंट, सुभाष बामला, रामअवतार गुप्ता, प्रकाश धनाना, सुरजभान बामला आदि मौजूद रहे।

देशभक्तों के जीवन से युवा प्रेरणा लें : अनुज

भिवानी। ढ़ाणा नरसान में रविवार को शहीदी दिवस पर अमर शहीद जनकल्याण समिति ने कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर शहीदों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम के दौरान अमर शहीद जनकल्याण समिति ने बच्चों को टी-शर्ट और स्मृति चिह्न भेंट कर उत्साह बढ़ाया तथा शहीदों के जीवन आदर्श से लेकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सरपंच अनुज, छोटू चौहान, मोनू शर्मा, राजेंद्र नंबरदार, आजाद, साधु मास्टर, सतनारायण शर्मा, जोनी गोस्वामी व सुमित टिंकू ने लोगों को संबोधित किया।

शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेकर बढ़े आगे: कमल

भिवानी। विभिन्न संगठनों ने शहीद भगतसिंह चौक सेक्टर 13 बलिदान दिवस मनाया। युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल सिंह प्रधान ने कहा कि शहीद भगतसिंह, सुखदेव व राजगुरू को सच्ची श्रद्धांजलि होगी कि हम नशे के खिलाफ अभियान चलाएंगे क्योंकि सुखा नशा नौजवानों को बर्बाद कर रहा है। कमल सिंह प्रधान ने अपील करते हुए कहा कि जितने भी संगठन हैं, वे घर-घर जाकर नशे के खिलाफ अभियान चलाएंगे, नहीं तो 10 साल के बाद में कोई घर नहीं बचेगा, जहां सुख व नशा प्रवेश न हो। उन्होंने कहा कि शहीदे आजम भगतसिंह, राजगुरु व सुखदेव का सपना था कि जाति धर्म के भेदभाव तथा नशे से मुक्त भारत देश हमारा होना चाहिए।

शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को किया नमन

शहीद भगतसिंह ने असेंबली में बम फोड़ देशवासियों को जगाया

असेम्बली में बम फेंक भगतसिंह ने ब्रिटिश हुकूमत को दी थी आजादी की चेतावनी: भारद्वाज

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को नमन करते नेताजी सुभाषचंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति के अध्यक्ष अशोक भारद्वाज व अन्य।

अमर शहीद क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव के 94वें बलिदान दिवस पर नेहरू पार्क स्थित शहीद स्मारक पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति ने बलिदान दिवस कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य तीनों महान शहीदों की शहादत को याद करना और उनके योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित करना था। समिति के अध्यक्ष एवं राष्ट्रपति अवार्डी अशोक भारद्वाज ने कहा कि अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की याद में 'भगत सिंह तुम्हें सलाम' पखवाड़े कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। पखवाड़े के दौरान शहीदों के बलिदान और उनके द्वारा किए संघर्ष की याद ताजा की जाएगी, ताकि नई पीढ़ी को उनके अदम्य साहस एवं राष्ट्रप्रेम से प्रेरणा मिले। कार्यक्रम की शुरुआत नेहरू पार्क स्थित शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित करके की गई। अनेक संगठनों से जुड़े लोगों ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। समाजसेवी भारद्वाज ने कहा कि भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपनी जान की आहुति दी, उनका बलिदान भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा गया। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे इन महान शहीदों के आदर्शों पर चले और देश की सेवा में अपने कर्तव्यों को पूरा करें। भारद्वाज ने कहा कि भगतसिंह का नाम सुनते ही हमारे दिलों में देशभक्ति की गहरी लहर दौड़ जाती है। शहीद भगत सिंह का जीवन केवल एक क्रांतिकारी की कहानी नहीं, बल्कि धैर्य, साहस और निष्ठा की अमिट मिसाल है। 28 सितंबर 1907 को पंजाब के लायलपुर (अब पाकिस्तान) में जन्मे भगत सिंह का परिवार पहले से ही देशभक्ति के संस्कारों से परिपूर्ण था। उनके पिता व चाचा ने स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाई। इसी माहौल में भगत सिंह ने बचपन से ही भारत को स्वतंत्रता दिलाने का सपना देखा। भारद्वाज ने कहा कि 1928 में सांडर्स की हत्या कर वीर भगतसिंह ने अमर शहीद लाला लाजपत राय की मौत का बदला लिया। इसके बाद 1929 में असेम्बली में बम फेंककर ब्रिटिश हुकूमत को आजादी की चेतावनी दी, उनका ये कदम किसी को मारने के लिए नहीं, बल्कि ये बम सोई हुई भारत की जनता को जगाने के लिए था।

इन्होंने दी श्रद्धांजलि

23 मार्च 1931 को भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी दी गई। इस अवसर पर सुरेंद्र सोलंकी, गोवर्धन शर्मा, मुरारीलाल, इंद्र कुमार, मास्टर कमल शर्मा, हरीश, दीपक, राजेश सिंह, सुमित, नरेश, कपिल, राजेंद्र, राजीव शर्मा, राजकुमार, मुकेश कुमार, सचिन यादव, दयानन्द, सुभाष शर्मा आदि ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

अभी भी भगत सिंह का सपना अधूरा

- महान क्रान्तिकारी शहीद भगतसिंह, राजगुरू व सुखदेव को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। शहीदों को नमन करते एआईकेकेएमएस के सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

आजादी आन्दोलन की समझौताहीन धारा के महान क्रान्तिकारी शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के 94वें शहीदी दिवस पर नेहरू पार्क में शहीद यादगार कमेटी समेत, एआईयूटीयूसी से संबंद्ध भवन निर्माण कारीगर मजदूर यूनियन और ऑल इण्डिया किसान खेत मजदूर संगठन (एआईकेकेएमएस) की तरफ से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता एआईयूटीयूसी के राज्य उपाध्यक्ष रामफल रहे। सभा की अध्यक्षता शहीद यादगार कमेटी के जिला संयोजक राजकुमार बासिया ने की। सभा का संचालन संदीप मेहरा ने किया। मुख्य वक्ता रामफल ने बताया कि शहीद भगत सिंह अदम्य साहस, सांगठनिक योग्यता, बहादुरी, देशभक्ति, कुर्बानी और धर्मनिरपेक्षता की अनुकरणीय मिसाल पेश कर गए, वे छात्र-नौजवानों और आम लोगों के वे प्रेरणास्रोत हैं। 15 अगस्त 1947 को समझौते से राजनीतिक आजादी मिली, लेकिन अंग्रेज साम्राज्यवादियों की जगह भारतीय पूंजीपति राजसत्ता पर काबिज हो गए। हर तरह शोषण से मुक्ति का शहीद भगत सिंह का सपना आज भी अधूरा है। सभा को धर्मबीर सिंह, मास्टर बस्तीराम, कंवरलाल ने भी सम्बोधित किया। सभा में दलीप रंगा, मनीष जांगड़ा, बिमला देवी, सुमन, बीरमति, नरेश मेहरा, रामेश्वर साहब, राजेराम आदि मौजूद रहे।

शहीदी दिवस पर 31 ने किया रक्तदान

भिवानी। लोहानी के बैंक्वेट हॉल में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर के आयोजक आशुतोष शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान तिरंगा यात्रा, सैनिक एवं मेधावी छात्र सम्मान समारोह व सेंटर के दूसरे वार्षिक उत्सव का भी आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वैश्य महाविद्यालय सेल्फ फाइनेंस विभाग की प्रोमिला सुहाग ने की। शिविर का आयोजन शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा की अगुवाई में हुआ, जिसमें बतौर मुख्यतिथि भिवानी-महेंद्रगढ़ से लोकसभा सांसद धर्मबीर सिंह ने शिरकत की। उन्होंने रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका हौंसला अफजाई किया, जिसमे 31 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

आजादी के महत्व को समझें

भिवानी। गांव कैरू के बाबा मुंगीपा एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स स्कूल में शहीदी दिवस मनाया तथा विद्यार्थियों को शहीद भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव सहित अन्य शहीदों के जीवन आदर्श से रूबरू करवाया। विद्यालय प्रधानाचार्य रमेश रंगा ने कहा कि देश को गुलामी की बेडियों से आजाद करवाने में अनेक वीर सपूतों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था, ऐसे में अब यह युवा पीढ़ी की जिम्मेवारी है कि वे आजादी के महत्व को समझे तथा शहीदों के दिखाए मार्ग पर चलते हुए देश की तरक्की में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि क्रांतिकारियों की शहादत ने देश में स्वतंत्रता संग्राम की लहर को और भी तेज कर दिया था।

विधायक ने शहीदों को किया नमन

- शहीद भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव शौर्य और पराक्रम के थे धनी : सर्राफ

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

हरियाणा राज्य भारत स्काउट गाइड की शाखा चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप द्वारा जाट धर्मशाला के सामने स्थित ओपन ग्रुप के कार्यालय में रविवार को शहीदी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी धुरव अग्रवाल ने देते हुए बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि पूर्व मंत्री एवं विधायक घनश्याम सर्राफ ने शिरकत की तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर दिनोद के सरपंच जयभगवान पहुंचे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरप लीडर सागर सज्जन सिंह एवं गुरप कोर्डिनेटर लक्ष्मण गौड ने किया। वही कार्यक्रम का संचालन सह ग्रुप लीडर अमित कुमार एवं श्री महावीर जैन सीनियर सैकेंडरी स्कूल की प्राचार्या एवं गाइड एवं रेंजर कैप्टन पुष्पा देवी ने किया। कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्यअतिथि विधायक घनश्याम सर्राफ ने सुबह 9 बजकर 58 मिनट पर ध्वजारोहण किया। इसके उपरांत उन्होंने कार्यालय में पौधारोपण किया तथा कार्यालय का निरीक्षण कर ग्रुप द्वारा की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी ली। विधायक ने शहीदों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर नमन किया तथा उपस्थित सभी को शहीदों के दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज व राष्ट्र के उत्थान में अपना योगदान देने तथा जल एवं पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता अपनाने व नशे जैसे सामाजिक बुराईयों से दूर रहने के लिए प्रेरित भी किया।

उपायुक्त ने सुनाई क्रान्तिकारी रागिनी

- शहीद यादगार समिति ने करवाया कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। शहीदी दिवस की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते कलाकार व मौजूद संगठनों के कार्यकर्ता। *फोटो: हरिभूमि*

शहीद यादगार समिति की ओर से शहीद भगतसिंह, राजगुरू व सुखदेव की शहादत दिवस की पूर्व संध्या पर शहीद भगतसिंह चौक पर देशभक्ति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें जयपाल साहू, बिजेन्द्र धनासरी व अन्य कलाकारों की क्रान्तिकारी एवं देशभक्ति की रागनियों ने श्रोताओं को तीन घंटे तक भावनात्मक रूप से मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में उपायुक्त महाबीर कौशिक ने दादा लखमीचन्द की रागनी सुनाई, जिसने श्रोताओं का मनमोह लिया। डीसी कौशिक ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमारा देश अनेकता में एकता और विभिन्न संस्कृतियों का देश है,हमें यहां जाति पाति व धार्मिक कट्टरता से उपर उठकर स्वतन्त्रता आंदोलन के शहीदों की कुर्बानियों से प्रेरणा लेकर सच्चे भारतवासी बनना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी एवं रिटायर्ड बैंक अधिकारी चन्द्रभान नाहलिया ने की व मंच संचालन सेक्टर 23 के रेजिडेन्ट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान सज्जन कुमार सिंगला ने किया।

थर-थर कांपते थे अंग्रेज

मजदूर संगठन सीटू के राज्य महासचिव जयभगवान ने कहा कि शहीद भगतसिंह व उनके साथियों का संगठन हिन्दुस्तान सोसलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन बहुत छोटा होने के बाद भी उन्होंने शहादत एवं कुर्बानियों से अंग्रजी साम्राज्यवाद के नाक में दम कर दिया था, अंग्रेज उनके डर से थर थर कांपते थे। कार्यक्रम में सेक्टर 13 व 23 तथा शहर के सैंकड़ों महिलाओं व पुरुषों ने भाग लिया, जिनमें मुख्य रूप से यूनियन के राज्य सम्मेलन में आए तेलगांना से राष्ट्रीय नेता एमसाई बाबू, बंगाल से आए अरकाराज पंडित, सीटू की राज्य अध्यक्ष सुरेखा, माकपा सचिव कामरेड ओमप्रकाश, मास्टर शेरसिंह, धर्मबीर भाटी, राजेश सभ्रवाल, नन्दकिशोर सोलंकी, द्रोणाचार्य व अर्जुन अवार्डी आसन कुमार सांगवान, सन्तोष देशवाल व कृष्णा सिवाच आदि मौजूद रहे।

शहीद गुलाब सिंह को किया याद

- विधायक, नपा चेयरमैन, पार्षदों, पूर्व सैनिकों को संघ के किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के शहीद गुलाब सिंह पार्क में शहीदी दिवस पर कार्यक्रम में शहीद की प्रतिमा पर माला पहनाते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

बवानी खेड़ा के शहीद गुलाब सिंह पार्क में शहीदी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पूर्व सैनिक कल्याण संघ बवानी खेड़ा द्वारा आयोजित करवाया गया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि के रूप में विधायक कपूर वाल्मीकि, वीर शहीद गुलाब सिंह के माता-पिता राम सिंह, कमला देवी, नपा चेयरमैन सुंदर अत्री, विशिष्ट अतिथियों में समस्त 16 पार्षदगण, पूर्व सैनिक सहित समाजसेवियों न अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मंच संचालक समाजसेवी सुभाष शर्मा ने किया। कार्यक्रम में ''मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे मोती, ए मेरे वतन के लोगो जरा आंख में भर लो पानी, मेरा देश मेरा मुल्क मेरा ये वतन, शांति का उन्नति का प्यार का चमन आदि प्रस्तुतियों ने उपस्थिजनों की आंख नम कर दी। वहीं विधायक कपूर वाल्मीकि ने बताया कि हमें नाज है कि दादू नगरी के राम सिंह, कमला देवी जिन्होंने वीर गुलाब सिंह को जन्म दिया जिन्होंने अपने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति दी ऐसे माता-पिता को नमन है । वहीं नपा चेयरमैन सुंदर अत्री ने बताया कि पूर्व सैनिक कल्याण संघ बवानी खेड़ा द्वारा हर वर्ष कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है ऐसे कार्यक्रमों से हमारे अंदर देशभक्ति की भावना जागृत होती है। युवाओं को इससे प्रेरणा लेनी चाहिए।

खिलाड़ियों को खेल किट भेंट कर नशे से दूर रहने की दिलवाई शपथ

भिवानी। देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले शहीद वास्वविक जीवन के असली हीरों व सभी के प्रेरणास्त्रोत होते है। युवाओं को शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेते हुए देश रक्षा में अपने कदम बढ़ाने चाहिए, यही शहीदों को श्रद्धांजलि होगी। यह बात गांव मिताथल के सरपंच प्रतिनिधि नरेश ने रविवार को शहीदी दिवस पर गांव मिताथल में शहीद भगतसिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए कही। इस मौके पर युवा शक्ति बदलाव की ओर के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सिवाच, युवा क्लब के प्रधान पवन कुमार, बिजेंद्र बीडीसी, पंच दिनेश नेहरू युवा केंद्र से मोहित कुमार, राजेश खगड़ा, डीलू, अमन आदि मौजूद रहे

निःस्वार्थ भाव से कर्तव्यों का पालन करना शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि

चरखी दादरी। श्रीबालानाथ योगाश्रम बलाली आदमपुर प्रागंण में कप्तान रघुबीर सिंह प्रधान बलाली की अध्यक्षता में शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर एवं माल्यार्पण कर शहीदी दिवस मनाया। आचार्य देवीसिंह ने कहा कि हमारे देश की आजादी के लिए लाखों शहीदों ने अपने प्राणों की आहुतियां दी। शहीदों ने हंसते-हंसते देश की आजादी के लिए मौत को गले लगाया, जिन्होंने खुशी खुशी फांसी के फंदों को चूमा था, वे आज हमारे लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि हम सभी प्रकार के धर्म, जाति सम्प्रदायों से उपर उठकर देशहित में कार्य करें तो भारत आज भी सोने की चिड़िया है। पूर्व सरपंच बलजीत ने कहा कि आज जो हम स्वतंत्र भारत में जी रहे है, वह उन शहीदों के बलिदान का ही फल है। पूर्व सरपंच अतरसिंह ने बताया कि हमारा युवा आज शहीदों के बलिदानों को भूलकर पाश्चात्य सभ्यता व धन की अंधी दौड़ में पागल हो गया तथा कर्तव्यों को पूर्ण रूप से भूल गया है। इस अवसर पर धर्मवीर प्रधान, सुबेदार रघुवीर सिंह, सुरेन्द्र पहलवान, पवन, मंजीत बलाली, मुकेश, महन्त रामनाथ आदि मौजूद रहे।

पदक विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में समारोह का आयोजन

कांस्य पदक विजेताओं को किया सम्मानित

- सम्मान समारोह से खेल प्रतिभाओं को मिलता प्रोत्साहन : आशन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। खिलाड़ियों व कोच को सम्मानित करते ग्रामीण। *फोटो: हरिभूमि*

गांव प्रेमनगर स्थित चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में 20 से 22 मार्च तक आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी सर्कल कबड्डी चैंपियनशिप में गांव मिताथल निवासी खिलाड़ी सचिन, पंकज, अनिल, अखिल, हितेश व धनाना निवासी अमन ने कांस्य पदक जीतकर न केवल अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है, बल्कि समस्त जिले को भी गौरवांवित किया है। खिलाड़ियों की उपलब्धि पर गांव मिताथल में सम्मान समारोह का आयोजन किया। समारोह में बतौर मुख्यतिथि द्रोणाचार्य एवं अर्जुन अवॉर्डी आशन कुमार सांगवान ने शिरकत की तथा अध्यक्षता सीबीएलयू कबड्डी टीम कोच संजय कुमार ने की।

भिवानी के बेटे और बेटियां युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत

इस मौके पर बतौर विशिष्ट अतिथि जाटू 84 खाप के प्रधान कैप्टन भीमसिंह, सरपंच प्रतिनिधि नरेश सिवाच, चतरसिंह पहलवान, सब इंस्पेक्टर दिल्ली पुलिस सतीश नेहरा, पूर्व सरपंच जयवीर सिंह, मास्टर सुभाष, आनंद सिवाच प्रधान गौशाला कमेटी, महावीर पोलू, सतबीर मेंबर, बलराज सिवाच, रमेश कमांडो, बिजेंद्र पहलवान प्रतिनिधि बीडीसी मिताथल पहुंचे। कार्यक्रम में मंच संचालन युवा शक्ति बदलाव की ओर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सिवाच ने किया। मुख्यतिथि द्रोणाचार्य एवं अर्जुन अवॉर्डी आशन कुमार ने कहा कि भिवानी जिले के बेटे-बेटियों ने विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर विश्वभर में अलग पहचान स्थापित की है, जो अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है, ऐसे सम्मान समारोह से खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा मिलता है तथा वे भविष्य में ओर भी शानदार प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित होते है। इस अवसर पर डॉ. हरिओम सांगवान, जगबीर डीपीई, ओमवीर कोच, राजेश सिवाच डीपीई, सुमेर, रमेश धनाना, राजपाल, रमेश श्योराण, अशोक बूरा, प्रवीण हुडा एचडीएफसी बैंक गोल्ड लोन, गब्दू पहलवान, मास्टर पवन कुमार, रामनिवास, जयबीर, राजेश, नरेश मैगरा आदि उपस्थित रहे।

भगतसिंह अंग्रेजों से कभी नहीं डरे

- गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट ने शहीदों को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। शहीदी दिवस पर शहीदों को नमन करते गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट के सदस्य।

ग्राम स्वराज किसान मोर्चा द्वारा संचालित गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट द्वारा शहीदी दिवस पर रविवार को खावा में निर्माणाधीन शहीद किसान योद्धा मंगल सिंह खरेटा की समाधि स्थल एवं किसान भवन पर शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष युद्धवीर मंगल सिंह खरेटा ने कहा कि भगतसिंह का जन्म 27 सितंबर 1907 को लायलपुर जिले के बंगा में हुआ था। इस समय भगतसिंह करीब 12 वर्ष के थे, जब वर्ष 1919 में जलियांवाला बाग हत्याकांड हुआ था। इसके बाद भगतसिंह ने चंद्रशेखर आजाद और अन्य क्रांतिकारी सदस्यों के साथ मिलकर ब्रिटिश सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू कर दिया। भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, राजगुरु व सुखदेव ने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ कुछ बड़ा धमाका करने की सोची और वर्ष 1929 को भगत सिंह ने अपने साथी बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर अलीपुर रोड स्तिथ ब्रिटिश सरकार की असेंबली हॉल में बम फेंक दिया।

इस मौके पर वैध रामअवतार दलाल, सुरेंद्र सिंगल, विकास सिंगल, पंच जगदीश नागर, रामनिवास सिंगल, संतोष, प्रियंका, महक खरेटा, मन्नत खरेटा व संदीप खरेटा आदि मौजूद रहे।